

खेत में करें गंधक का छिड़काव, पाले से बचाएं

कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने फसलों को सर्दी से बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू, अरहर, चना, सरसों, तोरिया, गेहूँ, जौ आदि फसलों को पाले से बचाएं। तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम होने पर पाला पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। फसलों को बचाने के लिए 0.1 प्रतिशत गंधक का छिड़काव खेत में करें ताकि मिट्टी का तापमान बढ़ जाए। नर्सरी को पुआल से ढंककर रखें। पाला पड़ने से पहले खेत में हल्की सिंचाई जरूर करें। (संवाद)

गिर सकता है पाला, करें फसलों की सुरक्षा:
सीएसए के निदेशक प्रसार डा. अरविंद कुमार
सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की
है। उन्होंने बताया कि इस मौसम में किसानों
को अपनी फसलों की सुरक्षा करने की जरूरत
है। किसान आलू, अरहर, चना, सरसों, गेहू
आदि फसलों को बचाएं।

दैनिक जागरण कानपुर 29/12/2021



सार सुर्खियां

‘किसान अपनी फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं’

कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा



कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं। डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 त्रिगंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।



WORLD

खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

मंगलवार, 28-12-2021 अंक-444

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

पाले से फसलों की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। बताया है कि जब सर्दी चरम पर होती है, उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं। डॉ. सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 फीसदी गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें। साथ ही खेतों में उत्तर-पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियां लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके।





लखनऊ

वर्ष: 13 | अंक: 77

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

जन एक्सप्रेस

[janexpresslive](#)
[janexpresslive](#)
www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | बुधवार | 29 दिसंबर, 2021



काठगढ़



राजेश शर्मा

लखनऊ



गुरुदास



बिजन

काठगढ़



राजेश शर्मा



फसलों को पाला व ठंड से बचाने के लिए जारी की गई एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस। **काठपुर नगर**



डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 प्रतिशत गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है। उन्होंने किसानों को अपनी नर्सरी को पुआल से ढकने तथा पाला पड़ने की संभावना होने पर खेत में हल्की सिंचाई करने की सलाह दी जिससे मिट्टी का तापमान बढ़ जाएगा और पाले से फसल की सुरक्षा होगी।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी

नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी

फसलें, गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं। जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0



राष्ट्रीय स्वरूप

किसान अपनी फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं : डॉ अरविन्द

कानपुर । सीएसए के निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ अरविन्द कुमार सिंह ने

अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं।



डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 ल गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता

किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और

है इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।

फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं : डॉ. अरविन्द कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं। डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है।



किसान अपनी फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं : डॉ अरविन्द

कानपुर । सीएसए के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें,



गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं। डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1%

गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।